



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

---

सं० 424] नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 24, 1976/आश्विन 2, 1898

No. 424] NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 24, 1976/ASVINA 2, 1898

---

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation.

---

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

*New Delhi, the 24th September 1976*

**S.O. 633(E)/18FB/IDRA/76.**—Whereas by the order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development No. S.O.545(E)/18RB/IDRA/75 dated the 27th September, 1976 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that—

- (a) the enactments specified in the Third Schedule to the said Act shall not apply to the industrial undertaking known as Messrs. Sen Raleigh Limited, Calcutta; and
- (b) the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force to which the said industrial undertaking is a party or which may be applicable to it immediately before the date of publication of that Order in the Official Gazette, and all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date; shall remain suspended upto the 26th September, 1976;

And, whereas, the Central Government is satisfied that the said Order should be extended for a further period of one year;

(1865)

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with sub-section (2), of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order upto the 26th September, 1977.

[No. F. 2/21/75-CUC]

A. K. GHOSH, Addl. Secy.

### उद्योग मंत्रालय

### (औद्योगिक विकास विभाग)

### आदेश

नई दिल्ली, 24 सितम्बर, 1976

का० प्रा० 633(अ)/18 य ख/उ० वि० वि० अ० /76.—भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) की अधि सूचना सं० का० प्रा० 545 (अ) 18 एफ० बी०/आई० डी० आर० ए०/75 तारीख 27 सितम्बर, 1975 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) केन्द्रीय सरकार ने, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 चख की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, घोषित किया था कि—

- (क) उक्त अधिनियम की तृतीय अनुसूची में विनिर्दिष्ट अधिनियमितियां मैसर्स सेन रेल्वे लिमिटेड, कलकत्ता, नामक औद्योगिक उपक्रम को लागू नहीं होंगी, और
- (ख) ऐसी सभी प्रवृत्त संविदाओं, सम्पत्ति के हस्तान्तरण पत्रों, करारों, समझौतों पंचाटों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों जिनका उक्त औद्योगिक उपक्रम एक पक्षकार है या जो इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ठीक पूर्व उसे लागू होती हों, का प्रवर्तन और उक्त तारीख से पूर्ण तदधीन प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाल सभी अधिकारी, विशेषाधिकार, बाध्यतायें और दायित्व 26 सितम्बर, 1976 तक निलम्बित रहेंगे ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की अवधि एक वर्ष के लिय बढ़ा दी जानी चाहिए ;

अतः अब, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 चख की, उपधारा (2) के साथ पठित, उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त आदेश की अवधि 26 सितम्बर, 1977 तक बढ़ाती है।

[फा० सं० 2/21/75-सी० यू० सी०]

ए० के० घोष, अपर सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मद्रासालय, मिनटो रोड, नई दिल्ली द्वारा मुद्रित तथा  
नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1976

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD,  
NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1976